V. CORE COURSE- C 2: (Credits: Theory-05, Tutorial-01)
कोर पाठ्यक्रम –C 2: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में दस **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

***नोट :** सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल) **सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान**

इकाई–1 भक्ति आंदालेन की पृष्ठभूमि, भक्तिकाव्य का उद्भव एवं विकास, भक्तिकाव्य की प्रवृत्तियाँ/विशेषताएं

इकाई –2 सतंकाव्य परम्परा, सूफी काव्य परम्परा, कबीर और जायसी।

इाकाई–3 कृष्णकाव्य परम्परा, राम काव्य परम्परा, सूरदास और तुलसीदास

कबीर, सूर, तुलसी, और रसखान की कविताएं।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक –

- काव्य कुंज संपादक – डॉ0 विन्ध्यवासिनी नन्दन पाण्डेय, डॉ0 अरूण कुमार, डॉ0 मिथिलेश कुमार सिहं

अनुशंसित पुस्तकें :–

- हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र (संपादक)
- हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : डॉ0 वासुदेव सिंह
- भक्तिकाव्य की भूमिका : डॉ0 प्रेमशंकर
- हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपतिचंद्र गुप्त
- निर्गुण काव्य दर्शन : सिद्धिनाथ तिवारी
- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : डॉ0 मैनेजर पाणडेय
- साहित्य और इतिहास : डॉ0 सुखदा पाण्डेय
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिहं
- आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 बच्चन सिहं
- कबीर : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
- सूरदास : डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा
- कबीर– एक नई दृष्टि : डॉ0 रघुवंश
- जायसी – एक नई दृष्टि : डॉ0 रघुवंश
- जाससी : विजयदेव नारायण साही
- लोकवादी तुलसी : डॉ0 विश्वनाथ तिवारी
- मीरा का काव्य : डॉ0 विश्वनाथ तिवारी
- मीरा की भक्ति और उनकी काव्य साधना का अनुशीलन : भगवान दास तिवारी